सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 321 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 30 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

एक सज्जन व्यक्ति वह है जो अनजाने में किसी की भावनाओं को ठेस ना पहुंचाएं।
-ऑस्कर वाइल्ड

13 साल बाद मेलबर्न में टेस्ट हारा... 7
नीतीश को भारत रत्न देने की... 3
सीएम के हाथ में विकास नहीं... 2

नीतीश के तेवरों से हड़कंप, क्या एनडीए से अलग होंगे नीतीश कुमार

सीएम की दिल्ली यात्रा, बिहार में चढ़ा सियासी पारा

» आगे के प्लान पर करेंगे चर्चा, 2025 में होगा बड़ा बदलाव
» पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के परिवार से मिले बिहार के मुख्यमंत्री
» छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली जाएं और सियासत गरमाए नहीं ऐसा हो नहीं सकता। दरअसल बिहार में छात्रों के प्रदर्शन व सियासी सरगर्मी के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे कुछ राजनीतिक नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के परिवार से मुलाकात की।

ऐसी चर्चा थी कि वह बीजेपी नेताओं से भी मिलेंगे पर अभी तक ऐसी किसी मुलाकात की न तो खबर आई न ही तस्वीर। ऐसे में ठंड से कंपकंपाती दिल्ली में उनकी यात्रा को लेकर सियासी पारा गर्म हो गया है। सियासी गलियारे में ऐसी चर्चा हो रही है अपने तीखे तेवरों से उन्होंने भाजपा की नींद उड़ा दी है। लोग तो ये तक कहने लगे हैं कि वह एनडीए छोड़ सकते हैं। उधर बिहार में बीपीएससी छात्रों पर पुलिस की लाठी चार्ज पर भी व विपक्ष के निशाने पर है। दरअसल, नीतीश कुमार का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब बिहार की राजनीति में हलचल तेज है। बीजेपी और जेडीयू के बीच तल्खी की खबरें आ रही हैं। इस बीच आरजेडी ने भी नीतीश कुमार को महागठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि सीएम सचिवालय के अनुसार, यह एक दिन का दौरा होगा। इस दौरान कुछ राजनीतिक भेंट संभव है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, इन मुलाकातों को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। नीतीश कुमार बिहार में प्रगति यात्रा कर रहे थे। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद उन्होंने इसे स्थगित कर दिया है। सात दिन के राजकीय शोक के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी।

बीजेपी नेताओं से मिलने के आसार नाराज हैं बिहार के सीएम!

विजय सिन्हा के बयान से जदयू नाराज

पूर्व अटल बिहारी बाजपेई के जन्मशती पर बिहार के डिप्टी सीएम व भाजपा नेता विजय सिन्हा के बयान पर भी जदयू नाराज हो गई है। दरअसल उन्होंने मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल पर निशाना साधते हुए कहा था कि जंगलराज वाले आज भी बिहार के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि भारत के इतिहास में बिहार का प्रमुख स्थान है। यह उस भावना को फिर से जगाने का समय है। हर बिहारवासी को गर्व महसूस करना चाहिए, जब बिहार में हमारी सरकार होगी, तो यह अटल बिहारी वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, हर भाजपा कार्यकर्ता को गर्व होगा। हालांकि, बाद में सफाई देते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने राज्य को जंगल-राज से मुक्त कर दिया है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए भविष्य में भी बिहार में सरकार बनाएगा। संख्या के मामले में बड़ा भाई होने के बावजूद, भाजपा ने पिछले साल विपक्षी खेमे से एनडीए में आने के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बने रहने दिया।

बिहार की राजनीति पर भी होगा असर

इस बीच नीतीश कुमार का अचानक दिल्ली दौरा कई सवाल खड़े कर रहा है। खासकर ऐसे समय में जब बीजेपी और जेडीयू के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दिल्ली में नीतीश कुमार किन नेताओं से मुलाकात करते हैं और क्या कुछ बातचीत होती है। इससे बिहार की राजनीति की आगे की दिशा का अंदाजा लग सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे पर टिकी है। देखना होगा कि इस दौरे के बाद बिहार की राजनीति किस करवट बैठती है।

पप्पू यादव ने राजभवन में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात की

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजभवन में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात की। पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने बीपीएससी चेयरमैन से सीधा बात-चीत की। उन्होंने कहा मैं बात करूंगा और डीएम व एसपी से भी बात करूंगा कि किसी आधार पर उन्होंने लाठी चलाया और एफआईआर किया है। उन्होंने ये भी कहा है कि वे मुख्यमंत्री से खुद बात करेंगे। उन्होंने ये भी कहा है कि किस आधार पर 12 हजार की परीक्षा होगी और 4 लाख की नहीं होगी?

तेजस्वी का साथ लेने की संभावना नहीं : पासवान

केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि वह आने वाले दिनों में बिहार पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे और सदन के सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए 2030 में विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे। पासवान ने भविष्य में राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ किसी भी तरह की संभावना से इनकार किया। उन्होंने मोदी के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं दबाव की राजनीति में विश्वास नहीं करता। जब एनडीए अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो संबंध तोड़ने का सवाल ही नहीं उठता।

बीपीएससी परीक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी

बीपीएससी की संयुक्त प्राथमिक परीक्षा 13 दिसंबर 2024 को आयोजित हुई। इस परीक्षा का विज्ञापन सितंबर 2024 को जारी हुआ था और परीक्षा में 4,83,000 उम्मीदवारों ने आवेदन किया, जिनमें से 3,25,000 उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। यह परीक्षा बिहार लोकसेवा आयोग के तहत 2031 पदों पर भर्तियों के लिए हुई, जिनमें 200 पद एसडीएम, 136 पद डीएसपी और अन्य गजेटेड अधिकारियों के पद शामिल हैं। हालांकि परीक्षा होने से पहले 6 दिसंबर को परीक्षा को लेकर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद परीक्षा के सामान्यीकरण को लेकर हुआ।

प्रशांत किशोर नीतीश की बी टीम : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने जन सुराज पार्टी पर परोक्ष हमला बोलते हुए प्रशांत किशोर द्वारा नवगठित पार्टी पर बिहार में नीतीश कुमार के सतारूढ़ गठबंधन की बी टीम के रूप में काम करने का आरोप लगाया। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश अब अपने मन से कुछ नहीं कर पा रहे हैं। हाल ही में बीपीएससी परीक्षा का विरोध कर रहे छात्रों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस द्वारा पानी की बौछारें करने के कुछ घंटों बाद, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान की ओर मार्च करने के लिए गुमराह किया गया था। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने आरोप लगाया कि यह आंदोलन छात्रों द्वारा शुरू किया गया था। गर्दनीबाग में लगभग दो सप्ताह तक चले धरने, जहां मैं भी हाल ही में गया था, ने सरकार को हिलाकर रख दिया था। इस समय, कुछ तत्व सरकार की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के खिलाफ प्रशासन की चेतावनी के बावजूद, प्रदर्शनकारियों को गांधी मैदान की ओर मार्च करने के लिए गुमराह किया गया। और, जब लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का सामना करने का समय आया, तो जिन लोगों ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने की पेशकश की थी, उन्होंने भागने का फैसला किया।

भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बना : प्रियंका गांधी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किए जाने को लेकर सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है। बीपीएससी की 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना में विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने रविवार को पानी की बौछार की और हल्का बल भी प्रयोग किया। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, बिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर 'डबल अत्याचार' का प्रतीक बन गया है।

सीएम के हाथ में विकास नहीं विनाश की रेखाएं : अखिलेश

» बोले- मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग, इसकी भी हो खोदाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार को घेरने के क्रम में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एंव सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एकबार फिर किसी का नाम लिए बिना योगी सरकार को घेरा। सपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के नीचे भी शिवलिंग है। इसकी भी खोदाई होनी चाहिए। सपा मुखिया ने योगी का नाम लिए बिना कहा कि उनके हाथ में विकास की नहीं, विनाश की रेखाएं हैं। कभी भी उनके हाथ की रेखाएं देख लेना। यह प्रदेश को कर्ज में डुबोकर जाएंगे। 2027 में सरकार का खजाना खाली करके जाएंगे।

सपा प्रमुख ने कहा कि अगर हमारे कार्यकर्ताओं पर मुकदमे लगे तो कुंभ मेले में अव्यवस्था की पूरी पोल खोल देंगे। कुंभ में आने का किसी को आमंत्रण नहीं दिया जाता है, लोग स्वय कुंभ में आते हैं। सरकार ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे कुंभ से पहले शुरू हो जाएगा। क्या यह चालू हुआ? इससे एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा सरकार की साजिशों को पीडीए समझ चुका है। आम चुनाव में जवाब देगा। कहा कि भाजपा आगामी चुनाव के बाद नीतीश को बिहार का सीएम नहीं बनाएगी। अदाणी से बड़ा संभल में इंसानी जिंदगियां जाने का मुद्दा है।

27 में अखिलेश को बनाना है मुख्यमंत्री : शिवपाल यादव

अखिलेश ने कहा कि यहां ईवीएम के कारण हारने वाले को हार का एवं जीतने वाले को जीत का विश्वास नहीं होता है। इसलिए हम मांग करते हैं कि बैलेट से ही चुनाव कराया जाए। सपा महासचिव शिवपाल ने कहा कि नये साल पर बधाई। देश में ऐसा काम करना है कि 2027 का मिशन सपा सरकार बनाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है।

लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है भाजपा

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा है। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी एक बयान में अखिलेश यादव ने कहा, '' भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या करती है। लोगों को संविधान से मताधिकार मिला हुआ है, लेकिन भाजपा मतदान करने का अधिकार छीन रही है। इन उपचुनावों में मतदाताओं को लूटा गया। लोगों को पुलिस प्रशासन के जरिए मतदान करने से रोका गया। लखनऊ में सपा के राज्य मुख्यालय में खनगर समुदाय से बड़ी संख्या में एकत्र लोगों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि संविधान लागू करने के लिए अच्छे लोगों की जरूरत है। बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान गरीबों, किसानों, वंचित तबकों को मजबूती देता है। भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है।

आरक्षण पर डाला जा रहा डाका

कहा कि योगी आदित्यनाथ धार्मिक सीएम तो हैं, पर विजिनरी (दूरगामी सोच वाले) नहीं। सपा सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं के लिहाज से मॉडल पेश किए। पीडीए यानी पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक या कहें पीड़ति, दुखी और अपमानित लोग सपा के साथ हैं। वे देख रहे हैं कि किस तरह से आरक्षण पर डाका जा रहा है। संविधानिक मूल्यों को किनारे किया जा रहा है।

भाजपा फर्जी समाचार का उद्गम स्थल

उन्होंने कहा कि भाजपा फर्जी समाचार का उद्गम स्थल है। यह फर्जीवाड़ा और झूठ फैलाती है, विपक्षियों के खिलाफ झूठे मामले दायर करती है और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने का हमेशा षड़यंत्र करती है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने संवैधानिक संस्थानों को कमजोर किया है और यह तानाशाही की राह पर है।

केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश का हक दे : सीएम सुक्खू

» बोले- हमारी लोन लिमिट को भी किया गया है कम

» केंद्रीय मंत्रियों से मिले सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू कहा कि वह हिमाचल प्रदेश के हित के लिए काम कर रहे हैं। देश में संघीय ढांचा है और इसमें हर राज्य के अपने अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि वह 28 दिसंबर को कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। जिन मंत्रियों से मुलाकात हुई वह उनके सामने उन्होंने हिमाचल प्रदेश के अधिकार की बात रखी।

इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने शिमला के रिज पहुंचे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी जो देश के प्रधानमंत्री थे उनकी आज 100वीं जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर मैं यह कहना चाहूंगा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का हिमाचल से बहुत पुराना रिश्ता था। वह हिमाचल के मनाली में प्रीणी में आते थे और अक्सर हिमाचल के प्रति और प्रकृति के प्रति उनका एक अपना मोह था। वह एक कवि थे। वह एक भारतीय जनता पार्टी के जब को फाउंडर मेंबर थे और मैं यह भी कहना चाहूंगा वह एक स्टेट्समैन के रूप में कार्य करते थे। 17 से 22 तक जीएसटी कंपनसेशन था जो हर साल ढाई 3000 करोड़ रुपए आता था वह खत्म हुआ हुआ है। दूसरा। आरडीसी कम हुई हुई है और सारे रिसोर्स कम किए। हमारी ओपीएस देने के कारण हमारी लोन की लिमिट को भी कम कर दिया गया है।

इन सब स्थितियों से मैं आने वाले समय में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करके इस बात को उठाऊंगा भी और यह मैं सोचूंगा कि हम हमें कैसे प्रदेश की जो हमने दिशा तय की।

राज्य का जीएसटी कंपनसेशन हुआ बंद

हमारी सीडब्ल्यूसी की दो दिन की बैठक है और सीडब्ल्यूसी की दो दिन की बैठक के बाद मैं 28 तारीख को। वहां जिस भी मंत्री से अपॉइंटमेंट अगर मिलती है तो मैं उनसे मिलकर आऊंगा और निश्चित तौर पर प्रदेश के हित की बात और प्रदेश के हित के लिए हमें मिलना जरूरी भी होता है। फेडरल स्ट्रक्चर में हर स्टेट में का एक राइट होता है। इस दृष्टि से हम आने वाले समय में जनवरी के महीने में हमारी काफी व्यस्तता रहेगी और इस मामले में क्योंकि बजट है और बजट से संबंधित हम सब चीजों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे, क्योंकि हमारा जो जीएसटी कंपनसेशन है, जो क्योंकि हम प्रोड्यूसर स्टेट है, हम कंज्यूमर स्टेट नहीं है। जीएसटी लगता है जैसे कि जो शिमला में कोई चीज खरीदेगा तो उसमें जीएसटी लगेगा। अब हम बद्दी को फार्मा हब तो कहते हैं लेकिन उससे जीएसटी हमको कम आता है तो जीएसटी कंपनसेशन हमारा बंद हुआ है।

छगन भुजबल को मंत्रिमंडल से बाहर रखना राकांपा का आंतरिक मामला : भरत गोगावले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के ई.जी.एस. मंत्री एवं शिवसेना नेता भरत गोगावले ने कहा कि छगन भुजबल को मंत्रिमंडल से बाहर रखा जाना महायुति का नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का आंतरिक मामला है। गोगावले ने बताया कि शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तरह ही राकांपा ने भी मंत्रियों के चयन पर फैसला किया था।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इस मुद्दे पर कोई और टिप्पणी नहीं कर सकता। भुजबल को मंत्रिपरिषद से बाहर रखना राकांपा का मामला था, महायुति गठबंधन का नहीं। भुजबल ने राकांपा अध्यक्ष एवं

उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर भाजपा-नीत सरकार के विस्तारित मंत्रिमंडल में उन्हें शामिल नहीं करने का आरोप लगाया। राकांपा नेता ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने का समर्थन किया था।

सलाहकारों के कब्जे में हैं नीतीश : तेजस्वी

राजद नेता ने कहा- अब अपने होश में नहीं रहते सीएम, बिहार को चलाने में असमर्थ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली/पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वे अब बिहार को सामान्य रूप से नहीं चला पा रहे हैं। तेजस्वी ने दावा किया कि नीतीश कुमार अब अपने चार करीबी सलाहकारों के कब्जे में हैं, जो उनके नाम पर सारे फैसले ले रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने यह बयान पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया, जब उनसे नीतीश कुमार के फिर से किसी राजनीतिक पलटी मारने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया मांगी

गई। उन्होंने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वे बिहार को चलाने में असमर्थ हो गए हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के नाम पर फैसले कुछ खास नेता ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश जी के चार करीबी सलाहकार, जिनमें से दो दिल्ली में और दो पटना में हैं, उनकी जगह फैसले ले रहे हैं। मुख्यमंत्री के पास अब खुद के निर्णय लेने की शक्ति नहीं रह गई है। तेजस्वी ने इसके लिए हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पत्र का उदाहरण दिया। केजरीवाल ने भाजपा के खिलाफ नीतीश कुमार से समर्थन वापस लेने का अनुरोध किया था। तेजस्वी ने पूछा कि पत्र तो नीतीश कुमार को लिखा गया था, लेकिन जवाब संजय झा ने दिया। आखिर संजय झा कौन हैं? क्या वे मुख्यमंत्री हैं? नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर (वैशाली) में पार्टी को मजबूत करने और जनता से संवाद बढ़ाने के उद्देश्य से दौरा किया।

सपा के डीएनए में हिंदू विरोधी एजेंडा : शहजाद पूनावाला

» अखिलेश यादव के बयान पर भड़की भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सीएम हाउस के नीचे शिवलिंग है उसकी खुदाई भी होनी चाहिए के बयान पर भाजपा बिदक गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राम भक्तों की हत्या का जश्न मनाने से लेकर सनातन धर्म को कई बार गाली देने तक, समाजवादी पार्टी के डीएनए में हिंदू विरोधी एजेंडा है। अब उन्होंने कहा है कि यूपी सीएम के आवास के नीचे एक शिवलिंग है और इसकी खुदाई की जानी चाहिए।

भाजपा नेता ने पूछा, क्या यह (शिवलिंग का मजाक उड़ाना) किसी अन्य आस्था या धर्म के बारे में कहा जा सकता है? उन्होंने कहा, उन्होंने वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदू देवताओं का अपमान किया है। वहीं उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि वे अपने वोट बैंक को साधने के लिए बयान दे रहे हैं। उनका मुस्लिम वोट बैंक खिसक ना जाए इसलिए वे इस प्रकार के अनर्गल बयान दे रहे हैं। अगर ये बात उनकी जानकारी में थी तो जब वे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने क्यों खुदाई नहीं कराई? उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को केवल मुस्लिमों का वोट चाहिए काम वे करते नहीं हैं, और यहां(एनडीए) वोट भी नहीं मांग रहे और काम भी कर रहे हैं।

नीतीश को भारत रत्न देने की मांग पर सब एक रंग में

बीजेपी और जेडीयू के बाद राजद भी समर्थन में उतरा

बिहार के लोगों में भी सीएम को सबसे बड़ा नागरिक सम्मान देने की चाह

- नीतीश की यात्राओं पर पहले भी मच चुकी है रार
- बीजेपी और जेडीयू के संबंध पर राजद की चुटकी
- बिहार के जनमुद्दों पर तेजस्वी के तीखे प्रहार
- भाजपा के साथ पर तेजस्वी के बयान से सब हैरान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में अगले साल चुनाव होने हैं। अब वहां पर नए-नए सियासी घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। जहां राजद पूरी एनडीए सरकार पर समय-समय पर राज्य की स्थिती को लेकर हमला करती रहती है वहीं नीतीश कुमार को लेकर भी बयान आते रहते हैं। अभी हाल में भाजपा ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की है। अभी ये मांग सरकार तक पहुंचती इस मांग का समर्थन राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी कर दी। अब भाजपा के सुर में सुर मिलाने को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। सियासी रणनीतिकार तो यहां तक कह रहें है भाजपा व राजद दोनों इसलिए इस तरह की मांग कर रहे हैं कि नीतीश उन दोनों के लिए बाधा बने हुए हैं क्योंकि पिछले लगभग 19 साल से राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

भाजपा व राजद दोनों जानते हैं कि जब तक वह बिहार में हैं उनकी दाल आसानी सेगलने वाली नहीं है। ऐसे में दोनों पार्टियों की मंशा है भारतरत्न जैसा बड़ा सम्मान अगर उन्हें मिल गया तो उनका कद बहुत बढ़ जाएगा और वह फिर सीएम बनने में दिलचस्पी कम ले सकते हैं हालांकि नीतीश को करीब जानने वाले कहते हैं नीतीश क्या करेंगे फिर पर कयास लगाना तुक्का लगाने जैसा ही है नीतीश क्या करेंगे वे ही जानते हैं। उधर पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के बाद अपनी यात्रा स्थगित करके वह दिल्ली चले गए हैं। ज्ञात हो कि लालू यादव की आरजेडी ने नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की वकालत की है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को यह सम्मान देने का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने बीपीएससी परीक्षा विवाद पर नीतीश कुमार की आलोचना भी की। इससे पहले बीजेपी और जेडीयू ने भी नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थी। बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। पहली आर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बीजेपी की हां में हां मिलाया है। एक तरह से कहा जाए तो खुलकर बीजेपी का समर्थन किया है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की वकालत की है। बता दें कि यह मांग पहले बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने की थी। इसके बाद जेडीयू ने भी उठाई थी। इस दौरान तेजस्वी यादव ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा को लेकर नीतीश सरकार पर हमला भी बोला। उन्होंने छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना की निंदा की।

नीतीश सरकार पर निशाना साधने में नहीं चूक रहे तेजस्वी

हालांकि इस दौरान तेजस्वी यादव ने 70वीं ~~बीपीएस~~ परीक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 20 साल से मुख्यमंत्री छात्रों पर पुलिस से लाठीचार्ज करवा रहे हैं। इससे युवाओं को शारीरिक और मानसिक परेशानी हो रही है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार इस मामले पर चुप हैं। उन्होंने बीजेपी पर भी हमला बोला। कहा कि बीजेपी के नेता महात्मा गांधी और सीता माता का अपमान कर रहे हैं। गांधी जी के सामाजिक पापों की बात करने वाले खुद बड़ा पाप कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के एक बयान पर गरमाई है सियासत

दरअसल, इस वक्त बिहार की राजनीति गरमाई हुई है। बीजेपी और जेडीयू के बीच तनातनी की खबरें हैं। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के एक बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। विजय कुमार सिन्हा ने बीजेपी के मुख्यमंत्री की इच्छा जताई थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न ले लिया। इधर, आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने नीतीश कुमार से महागठबंधन में शामिल होने की अपील की है। ऐसे में नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा को काफी अहम माना जा रहा है।

चर्चा में छाई है तेजस्वी यादव की वकालत

तेजस्वी यादव द्वारा नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की वकालत करना चर्चा का विषय बन गया है। पहले बीजेपी और जेडीयू से यह मांग उठी थी। अब राजद भी इसी सुर में सुर मिला रही है। इससे पहले राजद विधायक ने नीतीश कुमार को महागठबंधन में वापस आने का न्योता दिया था। जिसे नीतीश कुमार ने ठुकरा दिया था। लेकिन तेजस्वी के इस बयान से बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। क्या यह राजद की तरफ से नीतीश कुमार के लिए दोस्ती का हाथ बढ़ाने की कोशिश है?

गिरिराज सिंह ने की थी भारत रत्न देने की मांग

बता दें कि गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार के बिहार के विकास में योगदान की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि नीतीश के आने से पहले बिहार की हालत खराब थी। नीतीश ने राज्य को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का भी उदाहरण दिया। कहा कि ऐसे नेताओं को भारत रत्न मिलना चाहिए। जेडीयू के संजय झा ने भी प्रधानमंत्री मोदी से नीतीश को भारत रत्न देने की मांग की थी।तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार की तारीफ करना सबको हैरान कर रहा है। ऐसा लगता है कि राजद के दिल में नीतीश के लिए अब भी जगह है। यह बयान बिहार की राजनीति में कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है। क्या यह भविष्य में किसी नए गठबंधन का संकेत है या तेजस्वी यादव नीतीश के केंद्र में रखकर कोई और रणनीति बना रहे हैं? इसको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

केंद्र के कानूनों पर बिहार में मची रही रार

बिहार में केंद्र सरकार के कई कानूनों को लेकर सियासी रार मची हुई है। पहले तो वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर राजद व उसके सभी नेता उसका विरोध कर रहे थे अब एक नेशन एन इलेक्शन को लेकर भी वे भाजपा पर हमलावर हैं। जहां वक्फ कानून को लेकर वे ये कह रहें हैं कि इससे मुस्लिमों को टारगेट कर उन्हे परेशा किया जाएगा वहीं एक नेशन एक इलेक्शन भाजपा वालों को अपनी झूठी बाते फैलाने के लिए मददगार साबित होगी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने को भाजपा के इस दावे पर कटाक्ष किया कि 'एक देश, एक चुनाव' से चुनावी खर्च में कमी आएगी और साथ ही भाजपा एवं उसके सहयोगियों पर विज्ञापनों पर जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव ''एक ही चरण में कराने की मांग की, जैसा पहले भी होता रहा है।'' दरभंगा में राजद नेता से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक के बारे में पूछा तो उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, ''मौजूदा स्वरूप में चुनाव कराने में क्या समस्या है''जब उनसे कहा गया कि केंद्र की भाजपा सरकार का मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से इस पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, ''और विज्ञापनों का क्या? भाजपा को प्रचार पसंद है।''उन्होंने आरोप लगाया, ''बिहार जैसे गरीब राज्य में भी सरकार विज्ञापनों पर पैसे लुटाती है। जरा पता लगाइए कि राजग ने 20 साल पहले राज्य में सत्ता में आने के बाद से लेकर और केंद्र में अपने 11 साल के शासन के दौरान प्रचार पर कितना पैसा खर्च किया है।'तेजस्वी ने कहा, ''बिहार में एक ही चरण में चुनाव होना चाहिए क्योंकि पहले भी ऐसा ही होता था। निर्वाचन आयोग को इसमें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए क्योंकि बिहार के साथ किसी दूसरे राज्य में चुनाव नहीं होना है। उधर इससे पहले भी राजद ने सीएए, किसानों के खिलाफ कानून, अग्निवीर व कई अन्य एजेंडा वाले कानूनों पर बीजेपी का विरोध किया था।

एनडीए के सीएम हैं नीतीश कुमार : संतोष सुमन

नीतीश कुमार किसी पार्टी के सीएम नहीं हैं। नीतीश कुमार एनडीए के सीएम हैं। उक्त बातें आईटी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने पत्रकारों से कही। वहीं, विजय कुमार सिन्हा द्वारा बिहार में भाजपा की सरकार बनने पर ही अटल बिहारी वाजपेयी को संपूर्ण श्रद्धांजलि मिलेगी के बयान पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं कहा गया। नीतीश कुमार की सरकार की अगुवाई में कहा गया है। मामला स्लिप ऑफ टंग है। इन बातों को इतना उधेड़ना नहीं चाहिए। हम समझते हैं कि बिहार में एनडीए अटूट है। एनडीए में पांच लोग हैं, सभी साथी एकजुट हैं।प्रदेश अध्यक्ष हैं, वह संयुक्त रूप से 15 जनवरी से बिहार का दौरा करेंगे। बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन होगा। बिहार में एनडीए चुनाव लड़ रही है। एनडीए के नेता नीतीश कुमार हैं। नीतीश कुमार किसी एक पार्टी के सीएम नहीं हैं। वह एनडीए के सीएम हैं। साल 2025 के होने वाले चुनाव में नीतीश कुमार के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। मुखिया भी वही होंगे, इसमें कोई शंका जैसी कोई बात नहीं है। वहीं, नीतीश कुमार को भारत रत्न देने के सवाल पर आईटी मंत्री ने कहा कि बिहार में जो जंगलराज की कल्पना करते हैं, उस समय लालू प्रसाद यादव की सरकार थी, जिस तरह गुंडाराज हुआ करता था, अराजकता था आए दिन हत्या होती थी। वह नरसंहारों का दौर था। उस दौर से निकालने का श्रेय नीतीश कुमार को है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आने वाले साल में बच्चों को बनाएं और क्षमतावान

भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 को मनायेगा। सभी नीति निर्धारिकों की इच्छा है देश आने वाले वर्षों में खूब आगे बढ़े। सबसे ज्यादा लोगों को युवाओं से अपेक्षा है। युवा बनने से पहले बच्चों का ध्यान जरूरी है। हर देश को अगर अपने को मजबूत करना है तो अपने बच्चों को बौद्धिक रूप से क्षमतावान बनाना होगा। वे विकसित होंगे तो युवा भी ताकतवर होगा और युवा के शक्तिशाली होते ही देश भी शक्तिमान होगा और पूरे विश्व में उसका डंका बजेगा। बच्चों को घरों ये संस्कारित भी करना होगा ताकि व सदव्यवहारी व चरित्रशील बने और समाज में अपना सार्थक योगदान दे सकें। वैसे भी दुनिया का हर व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चों का बौद्धिक विकास हो, लेकिन उनमें से बहुतों को यह पता नहीं होता कि यह कैसे होगा? स्वास्थ्य बधर्क खानपान और सुनियोजित दिनचर्या के अलावा वह कौन-कौन सी चीजें हैं, जो आपके बच्चों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करती हैं।

यहां पर छात्रों के संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास का तातत्पर्य है उनके सोचने और तर्क करने की क्षमता का बहुमुखी विकास करना। कारण कि बहुधा बच्चे जिस कपोलकल्पित दुनिया में रहते हैं, उसे समझने के लिए वे अपने दिमाग, विचारों और सोच को कैसे व्यवस्थित करते हैं, यह पूरी तरह से उनके घरेलू पारिवारिक माहौल और स्कूल के समग्र शैक्षणिक वातावरण पर निर्भर करता है। इसलिए उनके चेतनात्मक विकास को कैसे प्रोत्साहित किया जाए, इस पर सार्थक चर्चा बदलते वक्त की मांग है। मसलन, कोई भी माता-पिता और देखभाल करने वाले अभिभावक अपने बच्चे की वर्तमान बौद्धिक अवस्था को समझें ताकि वे अपने बच्चे के संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करने के लिए उन्हें सुनियोजित गतिविधियाँ प्रदान कर सकें। आपके लिए यह समझना जरूरी है कि रचनात्मक और कलात्मक खेल सामग्री बच्चों को समस्या समाधान में संलग्न होने देकर सीखने और विकास करने में मदद करते हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उनके शब्दावली ज्ञान, वाक्य सृजन, वस्तु विमर्श, जटिल आकृतियों की नकल, तर्क और बहस करने की क्षमता में वृद्धि करना, क्यों और क्योंकि जैसे शब्दों का प्रयोग समझाना आवश्यक है। इसके अलावा, उनमें कल, आज और कल जैसी अवधारणाओं की समझ विकसित करने की कोशिश की जाती है। उन्हें डेस्क या टेबल पर बैठने के तौर तरीके बताए जाते हैं। वे अपने शिक्षक के निर्देशों का पालन कैसे करें, इसका अनुशासन सिखाया जाता है। वहीं, वे किसी भी सरल कार्य को स्वतंत्र रूप से करने में कैसे सक्षम होंगे, इसका प्रारंभिक ज्ञान दिया जाना महत्वपूर्ण है।

“ हर देश को अगर अपने को मजबूत करना है तो अपने बच्चों को बौद्धिक रूप से क्षमतावान बनाना होगा। वे विकसित होंगे तो युवा भी ताकतवर होगा और युवा के शक्तिशाली होते ही देश भी शक्तिमान होगा और पूरे विश्व में उसका डंका बजेगा। बच्चों को घरों ये संस्कारित भी करना होगा ताकि व सदव्यवहारी व चरित्रशील बने और समाज में अपना सार्थक योगदान दे सकें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुफ्त की चुनावी घोषणाएं बिगाड़ रहीं हैं आर्थिक सेहत

योगेंद्र योगी

दिल्ली चुनाव को अभी एक महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद इसको बदलकर 2100 रुपए करेंगे। चुनाव जीतने के लिए मुफ्त की रेवड़ी बांटने वाली आप अकेली पार्टी नहीं हैं। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, राजनीतिक दलों में खैरात बांटने की होड़ लग जाती है। इसका एकमात्र मकसद चुनाव जीतना है। इसके नुकसान-फायदों की राजनीतिक दलों को परवाह नहीं हैं। यह अलग बात है कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटना तो खरबूजे को ही है। मसलन फ्री का माल लेने वाले को भी आखिरकार इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। किसी न किसी रूप में टैक्स का बोझ उन पर भी पड़ता है। फ्री की योजनाओं का फायदा उठाने वाले भी इससे बढ़ने वाली महंगाई की मार से बच नहीं सकते।

इससे पहले राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वोटरों को फ्री में स्मार्टफोन और तीन साल के लिए फ्री इंटरनेट का वायदा किया था। गहलोत ने राज्य के हर परिवार को हर महीने 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का ऐलान किया था। मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर हर परिवार को 100 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहना योजना के तहत सवा करोड़ गरीब महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये जमा कराए। कांग्रेस ने वादा किया था कि उसकी सरकार आई तो हजार नहीं बल्कि 1,500 रुपये दिए जाएंगे। शिवराज ने युवाओं को लुभाने के लिए 12वीं कक्षा के कुल 9000 टॉपर्स को एक-एक स्कूटी देने का भी ऐलान किया था। चुनावी रेवड़ी बांटना का कल्चर शुरु से ही विवादों से घिरा रहा है। सुप्रीम कोर्ट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक विशेषज्ञ, चुनाव आयोग और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक इस पर चिंता जता चुके हैं।

कोई भी राजनीतिक दल व्यापक देशहित से जुड़े ऐसे मुद्दों का समाधान तलाशना तो दूर बल्कि चर्चा तक करना नहीं चाहता। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त राशन और अन्य मुफ्त योजनाओं पर गंभीर

सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर लोगों को फ्री की रेवड़ी कब तक बांटी जाएगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त राशन देना समय की जरूरत थी, लेकिन अब रोजगार और आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि देश के 81 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मुफ्त या सब्सिडी वाला राशन दिया जा रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता व अतिरिक्म सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, तो मतलब सिर्फ टैक्सपेयर्स ही ऐसे लोग हैं जिन्हें मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है। यह स्थिति गंभीर विचार का विषय है। वर्ष 2022 में श्रीलंका का आर्थिक संकट सामने आया तो इसने दुनियाभर की सरकारों को चेता दिया। सर्वदलीय बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि श्रीलंका से सबक लेते हुए हमें मुफ्त के कल्चर से बचना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में नहीं हो सकती, लेकिन वहां से आने वाला सबक बहुत मजबूत है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक रैली में रेवड़ी कल्चर पर सवाल उठाए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खरीद लेंगे। मोदी ने कहा था कि हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है। भारत में ऐसी लुभावनी पर आर्थिक तौर पर घातक चुनावी वायदों की शुरुआत तमिलनाडु से मानी जाती है। वर्ष 2006 में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में डीएमके ने सरकार बनने पर सभी परिवारों को फ्री कलर टीवी देने का वादा किया।

डीएमके के इस चुनावी वादे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि, डीएमके जीत गई। वादा पूरा करने के लिए 750 करोड़ रुपये का बजट लगाया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल ही रहा था कि 2011 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने टीवी के जवाब में मिक्सर ग्राइंडर, इलेक्ट्रिक फैन, लैपटॉप, कम्प्यूटर, सोने की थाली आदि बांटने का वादा कर दिया। शादी होने पर महिलाओं को 50 हजार रुपये और राशन कार्ड धारकों को 20 किलो चावल देने का वादा भी किया। नतीजे आए तो अन्नाद्रमुक की सरकार बन गई।

कट्टरपंथियों के वर्चस्व से बढ़ी वैश्विक चिंताएं

डॉ. एन.के. सोमानी

पिछले दिनों मिडल ईस्ट के सीरिया में जो तख्तापलट की घटना हुई उसके बाद अरब स्प्रिंग फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। अरब स्प्रिंग या क्रांति के दौरान मध्यपूर्व में दशकों से सत्ता के केन्द्र में रहे शाही परिवारों व सैन्यशासकों को रुख्सत होना पड़ा था। सैन्य शासकों की ज्यादतियों और तानाशाही के खिलाफ ट्यूनीशिया में जो चिंगारी सुलगी उसने अरब गणतंत्र की कई बड़ी शक्तियों को अपनी जद में ले लिया था। मिस्र के हुस्नी मुबारक हो या लीबिया के कर्नल गद्दाफी- इन तनाशाही शासकों को या तो देश छोड़कर भागना पड़ा या मौत के घाट उतार दिए गए। यमन के अली अब्दुल्ला सालेह के साथ भी ऐसा ही हुआ। तानाशाहों की सत्ता किस तरह से कुछ ही क्षणों में भरभराकर गिर जाती है, उस वक्त दुनिया ने देखा था। रूस और ईरान जैसी बड़ी ताकतों के साथ मिल जाने के कारण उस वक्त सीरिया का 'प्रेसिडेंशियल पैलेस' विद्रोहियों की पहुंच से बच गया था। अब जिस ढंग से सीरिया में तानाशाह राष्ट्रपति बशर-अल-असद को देश छोड़कर भागना पड़ा है उसे देखकर अरब स्प्रिंग की याद ताजा हो जाती है।

तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता मोहम्मद अल-जुलानी ने मोहम्मद अल-बशीर को कार्यवाहक सरकार का मुखिया नियुक्त करते हुए जन सहमति से सरकार बनाने की बात कही है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धातों पर आधारित होगा। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की वजह से सीरिया पहले से ही काफी खराब स्थिति में है। अब जुलानी की जिस तरह से इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर शासन चलाने की योजना है उससे वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ गई है। खासतौर से ईरान की।

तख्तापलट के बाद जिस तरह से विद्रोही गुट के लड़ाकों की ओर से असद समर्थकों पर अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सीरिया फिर से आईएसआईएस की गिरफ्त में तो नहीं आ जाएगा। यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि एचटीएस अलकायदा की कोख से ही निकला हुआ आतंकी संगठन है। सीरिया में शासन व्यवस्था का स्वरूप कैसा होगा यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा। एचटीएस नेतृत्व वाले समूह में तुर्किये की समर्थन वाली सीरिया राष्ट्रीय सेना अर्थात एसडीएफ के शामिल होने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसा होता है तो सीरिया की पूरी व्यवस्था एचटीएस, कुर्द, एसडीएफ और स्थानीय मिलिशिया समूहों में बंटी हुई दिखाई देगी। ऐसे में अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और परस्पर विपरीत हितों के लिए संघर्षरत इन गुटों के बीच एकता और शांति की बात करना हाथी को सूई के छेद से निकालने के बराबर होगा। ऐसे में सीरिया और उसकी अवाम का भविष्य क्या होगा, यह प्रश्न भी कौतूहल बढ़ा रहा है। पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि क्रांति के दौरान रूस और ईरान जैसे देशों द्वारा राष्ट्रपति बशर-अल-असद और उनके समर्थकों को जो हथियार दिए गए थे, उनका क्या होगा। हथियारों का यह जखीरा सीरिया की सत्ता पर काबिज चरमपंथी गुटों के हाथ लग गया तो इसका उपयोग वह कब, कहां और किस रूप में करेंगे, यह प्रश्न सीरियाई अवाम के लिए जितना चिंताजनक है, उससे कहीं अधिक विश्व समुदाय के लिए भी है।

कुल 3.35 करोड़ की आबादी वाला सीरिया आर्थिक व भू-राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएं इराक, तुर्कीये, जॉर्डन, लेबनान व इस्राइल जैसे देशों से लगती हैं। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है। पश्चिमी एशिया में वह रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि अचानक असद की सत्ता का अंत कैसे हो गया। दरअसल, अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में बशर-अल-असद के खिलाफ प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो उस वक्त रूस और ईरान की मदद से असद उसे कुचलने में कामयाब हो गये थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। रूस और ईरान दोनों ही अपनी-अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। पुतिन यूक्रेन को निपटाने में व्यस्त हैं। अली खामेनेई इस्राइली मोर्चे पर डटे हुए हैं।

रणनीतिक हित और भू-राजनीतिक स्थितियां भी दोनों नेताओं के हाथ बांधे हुए हैं। रूस को लगता है कि यूक्रेन युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में वह यूक्रेन के अधिक से अधिक भू-भाग पर कब्जा करना चाहता है ताकि संघर्ष विराम की स्थिति में वह उसे अपने पास रख सके। इस रणनीतिक हित के कारण वह अपनी पूरी सैन्य क्षमता के साथ यूक्रेन के मोर्चे पर डटे रहना चाहता है। दशकों तक असद की ढाल बने रहने वाला ईरान भी हमास और हिजबुल्ला के सर्वोच्च कमांडरों के मारे जाने के बाद खौफ की स्थिति में है। अमेरिका और इस्राइली हमले के अंदेशे के चलते वह सीरिया में सीधे हस्तक्षेप से बच रहा है। लब्बोलुआब यह कि 2011 जैसी स्थिति अब नहीं थी। ऐसे में रूस और ईरान की नाक का बाल बने असद अकेले पड़ गए थे। विद्रोही गुटों ने हालात का फायदा उठाया और दमिश्क पर चढ़ाई कर दी। हालांकि, पिछले कई वर्षों से असद की शिया सरकार और विभिन्न चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। लेकिन जिस नाटकीय ढंग से असद सरकार का पतन हुआ और जिस तरह से वहां की फौज ने बिना लड़े ही हथियार डाले हैं, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बालासन

इसे बालासन इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसका अभ्यास करते वक्त व्यक्ति एक बच्चे जैसा दिखता है। हालांकि, वास्तविक तौर पर यह योग मुद्रा दैवीय शक्ति के प्रति समर्पण का प्रतीक है क्योंकि इसमें आप अपने घुटनों के बल झुकते हैं और अपने सिर को नीचे रखते हैं। यह मुद्रा अपने अहंकार को त्याग करके जमीन से जुड़े रहने और सौम्य स्वभाव रखने के बारे में बताता है। बालासन तनाव को कम करने और रीढ़ की हड्डी, कंधों और गर्दन की अकड़न से राहत दिलाने में सहायक है। यह आसन मानसिक शांति भी प्रदान करता है। घुटनों के बल बैठकर धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें और माथे को जमीन पर रखें। हाथों को सामने की ओर फैलाएं या शरीर के बगल में रखें।

भुजंगासन

भुजंगासन दो शब्दों भुजंग और आसन से मिलकर बना है। अंग्रेजी में इस आसन को कोबरा पोज कहते हैं। इस योग में सांप की तरह अपने धड़ को आगे की दिशा में उठाकर रखना होता है। भुजंगासन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने में मदद करता है और पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत दिलाता है। यह मुद्रा कंधों, छाती और पेट को भी स्ट्रेच करती है, जिससे शरीर की अकड़न कम होती है। अगर आपको पेट संबंधी कोई भी समस्या है, तो रोजाना भुजंगासन करने से आप अपनी उस समस्या को जड़ से खत्म कर सकते हैं। पेट के बल लेटकर दोनों हाथों को कंधों के नीचे रखें। धीरे-धीरे शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं और सिर को पीछे की ओर झुकाएं।

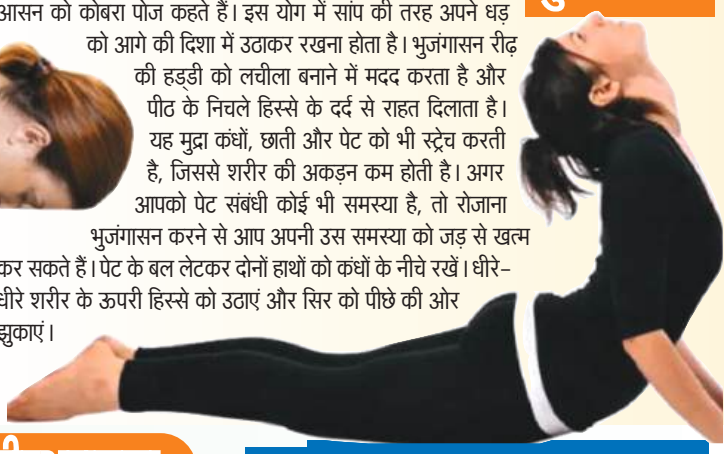

शरीर की अकड़न दूर करेंगे ये योगासन

दिनभर डेस्क के सामने कंप्यूटर की स्क्रीन के सामने ज्यादा देर तक एक ही पोजिशन में बैठे रहने की वजह से मांसपेशियों में तनाव और दर्द की समस्या हो सकती है। कई बार अगर बैठने का तरीका गलत हो, तो नर्व कंप्रेशन यानी नस दबने की समस्या भी हो सकती है। इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए रोज स्ट्रेचिंग करना बेहद जरूरी है। शरीर की अकड़न और दर्द आम समस्याएं हैं, अक्सर जब लोग सोकर उठते हैं तो शरीर में हल्का दर्द रहता है। चलने पर कुछ देर लंगडाने लगते हैं। वहीं झुक कर बैठने से भी पीठ, पीछे की गर्दन में अकड़न व दर्द महसूस होता है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए योग एक प्रभावी तरीका है। शरीर से न केवल शरीर में लचीलापन आता है, बल्कि दर्द से राहत मिलती है। इन आसान और प्रभावी योगासनों से आप शरीर की अकड़न और दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

उष्ट्रासना और वीरभद्रासना

उष्ट्रासन पीठ और कंधों को खोलने और तनाव को कम करने में काफी ज्यादा असरदार है। इसको करने के लिए आप अपने घुटनों को फर्श पर रखें और अपने नितंबों को ऊपर उठाएं। फिर अपने हाथों को अपनी एड़ियों को पकड़ें और धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकें। इस स्थिति में रहकर कुछ देर गहरी सांसें लें और छोड़ें। इसी तरह वीरभद्रासन भी करने से इस समस्या में काफी राहत मिलती है। इसे करने के लिए अपने एक पैर को कंधों की चौड़ाई से ज्यादा रखें और अपने सामने वाले पैर का कोण 90 डिग्री बनाएं। अपने सामने वाले हाथ को सामने की ओर और अपने पीछे वाले हाथ को पीछे की ओर बढ़ाएं। इस स्थिति में कुछ गहरी सांसें लें और छोड़ें।

अधोमुख श्वानासन

यह आसन पूरे शरीर को स्ट्रेच करता है, जिससे मांसपेशियों की अकड़न और दर्द से राहत मिलती है। अधो मुख श्वानासन हाथ, कंधे, पीठ और पैरों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। दोनों हाथों और घुटनों के बल आएं। हाथों को जमीन पर रखकर धीरे-धीरे कूल्हों को ऊपर की ओर उठाएं, जिससे शरीर वी आकार में आ जाए। कुछ सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर वापस आएं। यह आसन तनाव या स्ट्रेस को कम करता है। यह शरीर में नर्वस सिस्टम के लिए अच्छा होता है, जिससे तनाव कम हो सकता है।

शवासन

शवासन शरीर और मन को पूरी तरह से आराम देने वाला आसन है। यह तनाव और मांसपेशियों की अकड़न को कम करता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार करता है। पीठ के बल लेटकर शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। आंखें बंद करें और धीरे-धीरे गहरी सांस लें। इस स्थिति में 5-10 मिनट तक रहें। शवासन के अभ्यास से शरीर रिलैक्स होता है। इस कारण अभ्यास के दौरान नींद आने की संभावना रहती है। इस दौरान नींद आने से योग का पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता।

ब्रिज आसन

ये आसान हमारे मन और शरीर के बीच तालमेल बैठाने में मदद करता है। ये आसन हमारे शरीर से टेंशन को निकालता है और शरीर में लचीलापन लाता है, सीने गर्दन और रीढ़ की हड्डी में खिंचाव पैदा करता है। इस योग को करने के लिए योगा मैट पर पीठ के बल लेट जाएं सांसो की गति को सामान्य रखें। इसके बाद हाथों को बगल में रख लें अब धीरे-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर हिप्स के पास ले आएं। हिप्स को जितना हो सके फर्श से ऊपर की तरफ उठाएं। हाथ जमीन पर ही रहेंगे कुछ देर के लिए सांस को रोक कर रखें, इसके बाद सांस को छोड़ते हुए वापस जमीन पर आएं। पैरों को सीधा करें और आराम करें, 10 से 15 सेकंड तक आराम करने के बाद फ़िर से इसे शुरू करें।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी: मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

कहानी — लालची कुत्ता

एक गांव में एक लालची कुत्ता रहता था। वह गांव में घूम-घूमकर खाने की तलाश करता था। वह इतना लालची था कि उसे जितना भी खाने के लिए मिलता था, उसे कम ही लगता था। गांव के दूसरे कुत्तों के साथ पहले उसकी अच्छी दोस्ती थी, लेकिन उसकी इस आदत की वजह से सभी उससे दूर रहने लगे, लेकिन उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसे सिर्फ अपने भोजन से मतलब था। कोई न कोई आते जाते उसे खाने के लिए कुछ न कुछ दे ही देता था। उसे जो खाने को मिलता उसे वो अकेले ही चट कर जाता। एक दिन उसे कहीं से एक हड्डी मिल गई। हड्डी को देखकर उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने सोचा कि इसका आनंद तो अकेले ही लेना चाहिए। यह सोचकर वो गांव से जंगल की ओर जाने लगा। रास्ते में वह पुल के ऊपर से नदी पार कर रहा था, तभी उसकी नजर नीचे नदी के ठहरे हुए पानी पर पड़ी। उस समय उसकी आंखों में सिर्फ हड्डी का लालच था। उसे यह भी पता नहीं चला कि नदी के पानी में उसका ही चेहरा नजर आ रहा है। उसे लगा की नीचे भी कोई कुत्ता है, जिसके पास एक और हड्डी है। उसने सोचा कि क्यों न उसकी भी हड्डी छीन लूं, तो मेरे पास दो हड्डियां हो जाएंगी। फिर मैं एक साथ दो हड्डियों के मजे से खा सकूंगा। ऐसा सोचकर वह जैसे ही पानी में कूदा, उसके मुंह से हड्डी सीधे नदी में जा गिरी। मुंह से छुटकर हड्डी के पानी में गिरते ही कुत्ते को होश आया और उसे अपने किए पर पछतावा हुआ।

कहानी से सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। लालच करने से हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृषभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। जल्दबाजी से बचें।

कर्क तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। थकान रह सकती है।

सिंह चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या धन प्राप्ति सुगम होगी। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

तुला स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक रोमांस में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

धनु आज विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

मकर मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

राजामौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ जोड़ी जमायेंगी प्रियंका

एसएस राजामौली 2022 में राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर की भारी सफलता के बाद, महेश बाबू की अपनी अगली फिल्म के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रशंसक फिल्म के कलाकारों और विषय के बारे में अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं, और अब रिपोर्ट्स का दावा है कि प्रियंका चोपड़ा इस बहुप्रतीक्षित परियोजना में महेश के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसे अभी एसएसएमबी 29 टाइटल दिया गया है।

राजामौली महेश बाबू के साथ जंगल एडवेंचर फिल्म पर काम कर रहे हैं।

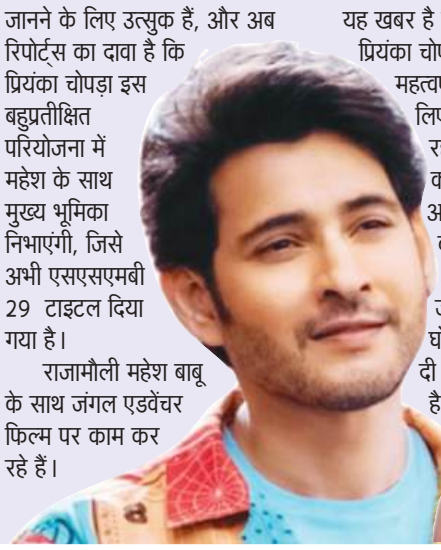

फिल्म के कलाकारों और क्रू के बारे में कोई और जानकारी नहीं थी, लेकिन यह खबर है कि बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बातचीत कर रही हैं। मेकर्स की तरफ से अभी तक इस बात कोई आधिकारिक जानकारी या घोषणा नहीं दी गई है।

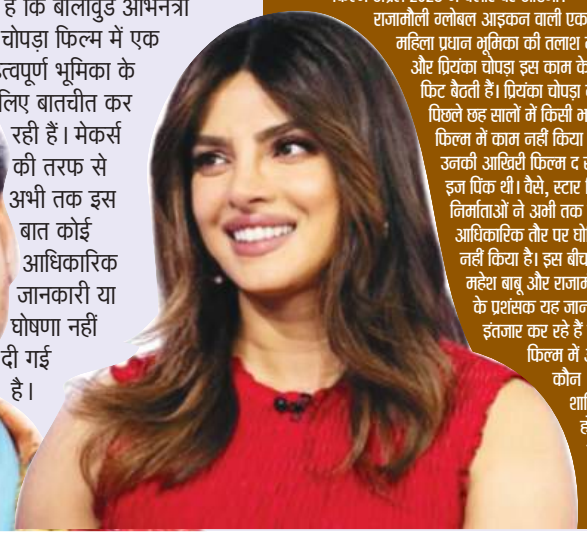

आधिकारिक घोषणा का है इंतजार

फिल्म अप्रैल 2025 में एलोर पर आएगी। राजामौली ग्लोबल आइकन वाली एक महिला प्रधान भूमिका की तलाश में थे और प्रियंका चोपड़ा इस काम के लिए फिट बैठती है। प्रियंका चोपड़ा ने पिछले छह सालों में किसी भारतीय फिल्म में काम नहीं किया है। उनकी आखिरी फिल्म द स्काई इज पिंक थी। वैसे, स्टार फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इसे आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया है। इस बीच, महेश बाबू और राजामौली के प्रशंसक यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि फिल्म में और कौन शामिल हो रहा है।

ये अभिनेता निभाएगा विलेन की भूमिका

नई रिपोर्ट में पता चला है कि प्रियंका चोपड़ा को महेश बाबू के साथ अभिनय करने के लिए फिल्म में साइन किया गया है। इतना ही नहीं, मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। पृथ्वीराज हाल ही में प्रभास की सालार में दिखाई दिए थे।

जेलर-2 में रजनीकांत के साथ स्क्रीन साझा करेंगी श्रीनिधि शेट्टी, तमन्ना का भी दिखेगा ग्लैमरस लुक

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी साउथ सिनेमा में एक प्रमुख चेहरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं। केजीएफ के बाद से ही उनकी फैन फॉलोइंग काफी बढ़ चुकी है। हालांकि, इसके बाद आई उनकी फिल्म कोबरा बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं छोड़ पाई। इसके बावजूद श्रीनिधि का जादू फीका नहीं पड़ा है। उन्हें सिद्धू जोन्नालगड्डा की तेलुसु कड़ा और नानी की हिट-3 जैसी फिल्मों में साइन किया गया है।

अब उनकी एक नई फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीनिधि शेट्टी साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ जल्द ही स्क्रीन साझा करती नजर आ सकती हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म जेलर-2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें साइन किया गया है।

रजनीकांत के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का यह मौका श्रीनिधि के लिए बेहद खास होगा। फिल्म में श्रीनिधि के साथ अभिनेत्री तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वह जेलर फिल्म में एक आइटम सॉन्ग से सुर्खियां बटोर चुकी हैं। जेलर-2 का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार करेंगे। इसे सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर तैयार करेंगे। पहले भाग के गाने लोगों के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय हुए थे। फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। इसके बारे में और अधिक जानकारी आधिकारिक रूप से नए साल या फिर पोंगल के मौके पर आ सकती है। माना जा रहा है कि यह फिल्म श्रीनिधि के करियर के लिए एक टर्निंग प्वॉइंट साबित हो सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

बेबी जॉन का हिस्सा बन पछता रही हैं कीर्ति सुरेश

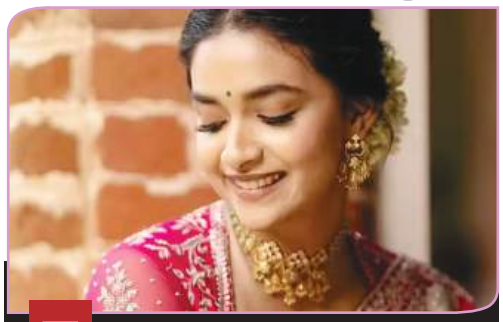

वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की मुख्य भूमिकाओं वाली बॉलीवुड एक्शन ड्रामा बेबी जॉन को लेकर चर्चा चरम पर थी। एटली ने इसे क्रिसमस के अवसर पर रिलीज करने का फैसला किया, जिससे इसे छुट्टियों का फायदा मिल सके। हालांकि, फिल्म की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने वाली है। कलेक्शन को देख साफ हो रहा है कि बेबी जॉन जल्द ही फ्लॉप की सूची में शुमार हो जाएगी। जानकारी हो कि कीर्ति सुरेश ने इसके साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है और जाहिर सी बात है कि कारोबार को देख उन्हें अपने फिल्म के चयन पर निराशा होना लाजमी है। कलीस के निर्देशन में बनी फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान का भी कैमियो है। हालांकि, इतना मसाला और एक्शन भी फिल्म के कमजोर निर्देशन को बचा पाने के लिए काफी नहीं रहा है। बेबी जॉन ने अपने रिलीज डे पर महज 11.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया और दूसरे दिन ही इसकी कमाई में 57.78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन महज 4.75 करोड़ रुपये रहा। वहीं, तीसरे दिन की कमाई निर्माताओं की चिंता बढ़ाने के लिए काफी थी। कारोबार में दूसरे दिन के मुकाबले 24.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और इसका शुक्रवार तक का टोटल महज 19.64 करोड़ रुपये ही हो पाया। कोविड-19 के बाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण बॉलीवुड में कई रीमेक बेकार हो गए और अब बेबी जॉन इस सूची में शामिल होने के लिए तैयार है। थेरी हिंदी दर्शकों के बीच भी एक लोकप्रिय फिल्म है और 2024 में इसका रीमेक बनाना निश्चित रूप से कोई अच्छा विचार नहीं है। शुक्रवार तक फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है और चलन के अनुसार, बेबी जॉन के लिए शनिवार और रविवार को ठोस आंकड़े पेश करना एक चुनौतीपूर्ण काम होगा। अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बीते कुछ समय से अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंथनी से शादी को लेकर चर्चा में थीं। साथ ही दर्शक उन्हें उनकी पहली हिंदी फिल्म बेबी जॉन में देखने के लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, उम्मीदों पर पानी फिर गया है। वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो कीर्ति भी बेबी जॉन को चुनने के अपने फैसले पर पछता रही हैं।

पौधे या कीड़े ही नहीं, पत्थर भी खा जाते हैं ये अमेरिकन पक्षी

दुनिया में कई ऐसे अजीबोगरीब जीव हैं जिनके बारे में हमें कम जानकारी होती है। ऐसा ही एक पक्षी है ऑस्ट्रिच यानी शुतुरमुर्ग। आप ये तो जानते होंगे कि ऑस्ट्रिच सबसे तेज दौड़ने वाला पक्षी है, पर इस जीव से जुड़ी एक और रोचक बात है। वो ये कि ये पक्षी पत्थर भी खा जाते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर इस पक्षी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ये पत्थर खाते नजर आ रहे हैं। जब आप इन्हें पत्थर खाते देखेंगे, तो हैरान हो जाएंगे। पर इसके पीछे का कारण ज्यादा हैरान करने वाली बात है।

ट्विटर अकाउंट @AMAZINGNATURE पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें ढेरों ऑस्ट्रिच पत्थर खाते नजर आ रहे हैं। इनके सामने ढेर सारे पत्थर रखे गए हैं जिसे वो चुग रहे हैं जैसे वो दाने हों, जो पक्षियों को खाने के लिए दिए जाते हैं। पर वो ऐसा क्यों कर रहे हैं, क्या पत्थर खाने से उनके पेट को नुकसान नहीं पहुंचेगा? इस वीडियो को साथ ऑस्ट्रिच के पत्थर खाने का कारण भी बताया गया है।

अमेरिकन ऑस्ट्रिच फार्म्स वेबसाइट के अनुसार ऑस्ट्रिच सर्वाहारी होते हैं, यानी वो जानवर और पौधे, दोनों ही चीजें खाती हैं। पर कई अन्य पक्षियों की तरह ऑस्ट्रिच के दांत नहीं होते। इस वजह से वो जो भी खाती हैं, उसे पचाने में उन्हें काफी समस्या होती है। इस वजह से ये पत्थर खाते हैं। पत्थर को ये पचाते नहीं, बल्कि पेट के एक थैले में स्टोर कर लेते हैं। इन पत्थरों की मदद से जो भी खाना ऑस्ट्रिच खाती हैं, उसे वो तोड़ने का काम करती हैं, जिससे खाना आसानी से हजम हो जाए। पत्थर भी धीरे-धीरे छोटा होकर नष्ट हो जाता है। फिर वो दोबारा पत्थर खा लेती हैं। इस वीडियो को 4 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि प्रकृति अनोखी है। एक ने कहा कि कई ऐसे पक्षी हैं जो खाना पचाने के लिए पत्थर खाते हैं। वहीं एक ने कहा कि उसे तो इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

अजब-गजब | यहां के लोग एक दिन में 3 बार खाते हैं बाहर का खाना

इस शहर में आधे से ज्यादा लोग हैं मोटे

दुनिया में ऐसे कई शहर हैं जहां पर लोगों के खाने-पीने का तरीका एक सेट पैटर्न का है। यानी बहुत से लोग बाहर का खाते हैं तो कई जगहों पर ऐसा भई होता है कि लोग रेस्टोरेंट से खाना नहीं पसंद करते। मगर ब्रिटेन के एक शहर में तो अलग ही माहौल है। यहां पर आधे से ज्यादा लोग मोटे हैं और वो बाहर का खाना इतना पसंद करते हैं कि एक दिन में 3-3 बार खाना खाते हैं। उनकी वजह से डिलीवरी वालों की आफत हो जाती है।

डेली स्टार न्यूज वेबसाइट के अनुसार एबूवायल, साउथ वेल्स का एक शहर है, जिसे यूनाइटेड किंगडम का वो शहर माना जाता है, जहां अधिकतर लोग मोटे हैं। एक वक्त पर ये शहर स्टील हब था, पर अब ये मोटे लोगों के लिए फेमस हो चुका है। यहां पर बहुत से ऐसे लोग हैं जो 50 साल से कम की उम्र के हैं और ओवरवेट हैं। ये लोग ओबीस श्रेणी में आते हैं। कई डिलीवरी ड्राइवरों ने दावा किया है कि वो एक दिन में 3-3 बार एक ही ग्राहक के घर के चक्कर लगाते हैं।

37 साल की एक ब्यूटीशियन जोडी ह्यूज ने डेली मेल से बात करते हुए कहा कि उनका शहर मोटापे से जूझ रहा है। उन्होंने खुद भी काफी वजन बढ़ा लिया था, जिसकी वजह से उन्हें गैस्ट्रिक बैंड पहनने की जरूरत पड़ गई थी। उन्होंने बताया कि शहर में इतने टेकअवे और फास्टफूड की जगहें हैं जो लोगों का पेट भर रही हैं। उनका मानना है कि ये फास्ट फूड चेन्स की लत लोगों को लग गई है, जिसकी वजह से वो मोटे होते जा रहे हैं। उनका मानना है कि इसके पीछे जो फास्ट फूड सस्ती चीजों में शामिल है। इस वजह से ज्यादा लोग उसे ही खा रहे हैं। दूसरा कारण है कि लोगों के पास कम वक्त है। स्वादिष्ट, सेहतमंद, और सस्ता खाना बनाना हमेशा आसान नहीं होता है। इलाके में कुछ वजन कम कराने के कोर्स चलते हैं, जिसमें लोग रेजिस्टर कर के वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं। 55 साल के एक लोकल बिजनेसमैन स्कॉट ने कहा कि अगर कोई सेहतमंद और ऑर्गैनिक फूड खाना चाहे तो उसके लिए उन्हें ज्यादा पैसा देना पड़ता है। ऐसे में लोग वही खाना पसंद करते हैं, जो आसानी से मिल जाए और सस्ता हो।

जम्मू प्रशासन मनमानी कर रहा : भल्ला

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कटड़ा रोपवे को लेकर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला सहित अन्य नेताओं ने कटड़ा में जारी हड़ताल में शामिल होने के लिए कूच किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें दोमेल में रोक दिया। पार्टी नेता कटड़ा रोपवे के खिलाफ मुखर हुए लोगों से मिलने जा रहे थे। पिछले तीन दिन में यह दूसरी बार है कि पार्टी नेताओं को कटड़ा जाने से अनुमति नहीं दी गई। भल्ला ने आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण ढंग से कटड़ा में लोगों की बात सुनने के लिए जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन दबंग रवैया अपनाकर उन्हें अनुमति नहीं दे रहा है, जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने और सुनने का अधिकार है।

रोपवे आंदोलन में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना गलत है। ये मुद्दा हजारों स्थानीय लोगों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। भाजपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है, जिससे साफ है कि ये उसके स्वार्थ से जुड़ा हुआ है। इससे पहले पार्टी नेताओं को टोल प्लाजा पर रोक दिया गया था। सरकार को प्रदर्शनकारियों से मिलकर उनकी बात सुननी चाहिए। एक राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में लोगों से मिलना और उनकी शिकायतों को समझना मेरा अधिकार है।

सभी के हितों का ध्यान रखेगा श्राइन बोर्ड : एलजी

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ताराकोट रोपवे विवाद के बीच कहा है कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कटड़ा के सभी हितधारकों के हितों का ध्यान रखेगा। इस मुद्दे का हल बातचीत से ही निकलेगा और उच्च स्तरीय कमेटी इस दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने कहा है कि रोपवे बनने से पुराने रूट से जाने वाले यात्रियों की संख्या कम नहीं होगी। रोपवे के इस्तेमाल के लिए टिकट कटड़ा में निलरिका में ही लेना होगा। ऐसे में जो भी रोपवे से जाना चाहेगा, उसे कटड़ा आना ही पड़ेगा। जरूरत पर दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेस वे के अलाइनमेंट पर भी बात की जा सकती है।

मनमोहन सिंह के नाम पर हो नवयुग सुरंग का नाम : उमर

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस केंद्र शासित प्रदेश के विकास में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के योगदान को देखते हुए कश्मीर को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली नवयुग सुरंग का नाम उनके (सिंह के) नाम पर रखा जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने यहां कहा, श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर दो सुरंग हैं। एक का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया है। दूसरी सुरंग (नवयुग) का नाम मनमोहन सिंह के नाम पर रखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंह ने जम्मू-कश्मीर के विकास एवं कल्याण के लिए जबरदस्त योगदान दिया था। सिंह का तीन दिन पहले निधन हो गया था।

भाजपा का फैसला जन विरोधी : टीकाराम जूली

भजन सरकार के 9 जिलों को समाप्त करने वाले फैसले पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राजस्थान सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि इसी वर्ष अगस्त में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लद्दाख जैसे छोटे केंद्र शासित प्रदेश में 5 नए छोटे जिलों की घोषणा की थी। जबकि, राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है, वहां भाजपा की सरकार ने 9 जिलों को समाप्त कर दिया। यह फैसला निंदनीय और जनविरोधी है। कांग्रेस पार्टी इस निर्णय का कड़ा विरोध करती है और आने वाले दिनों में सदन से लेकर सड़क तक आंदोलन करेगी। सीकर में भी सरकार के इस फैसले को लेकर विरोध शुरू हो गया है।

कांग्रेस सदन से लेकर सड़क तक करेगी आंदोलन

माकपा नेता भागीरथ शेखावाटी में भाजपा हमेशा ही कमजोर रही है, विधानसभा चुनाव में यहां से सिर्फ तीन ही विधायक जीत हासिल कर सके और लोकसभा के चुनाव में इंडिया गठबंधन के अमराराम सांसद चुने गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भाजपा कमजोर रही है, वहां उस क्षेत्र के साथ उसका दुर्भावनापूर्ण व्यवहार रहा है। इसी बात को लेकर सीकर संभाग और नीमकाथाना जिला निरस्त किया है। उन्होंने कहा कि आज हमने सरकार के इस फैसले के विरोध में मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर विरोध जताया है और सरकार से मांग रखी है कि सरकार जिलों और संभागों को निरस्त करने का फैसला वापस ले।

सांसद राजकुमार रोत ने जताई कड़ी नाराजगी, सीकर में सीएम का पुतला फूंका

बांसवाड़ा संभाग को निरस्त करने पर सांसद राजकुमार रोत ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह फैसला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र की जनता के लिए अन्यायपूर्ण है। रोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, बांसवाड़ा संभाग को निरस्त करके राज्य सरकार ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर की जनता के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है। मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमा पर रहने वाला एक गरीब आदिवासी 240 किलोमीटर की दूरी तय कर उदयपुर आने की सोच भी नहीं सकता।

सरकार के डर से श्रद्धांजलि देने में पीछे रहे कुछ लोग: अभिषेक

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि न देने पर खेल और फिल्म क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों पर बरसे टीएमसी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने खेल और फिल्म क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की आलोचना करते हुए दावा किया कि वे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के मामले में चुप्पी साधे रहे। सिंह को भारत के महानतम राजनेताओं में से एक बताते हुए बनर्जी ने यह दावा भी किया कि यह सरकार का डर हो सकता है।

बनर्जी ने 'एक्स' पर कहा कि अक्सर रोल मॉडल मानी जाने वालीं खेल और फिल्म उद्योग की प्रमुख हस्तियों को पूरी तरह चुप्पी साधे हुए देखना चौंकाने वाला और निराशाजनक है। डॉ. सिंह के निधन पर शोक जताने में अनिच्छा उनकी प्राथमिकताओं, जिम्मेदारी और ईमानदारी के बारे में असहज कर देने वाले सवाल खड़े करती है। क्योंकि राष्ट्रीय मुद्दों पर चुप रहना इनमें से कई तथाकथित हस्तियों की आदत बन गई है। बनर्जी ने कहा कि यह कोई नहीं बात नहीं है।

आजाद अधिकार सेना ने मंत्री आशीष पटेल की लोकायुक्त से की शिकायत

प्रोन्नति में नियमों का किया गया पूर्ण उल्लंघन : अमिताभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने यूपी के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल के खिलाफ लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश के से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा अध्यापन सेवा नियमावली 2021 बनाया, जिसके नियम 5 में विभागाध्यक्ष पद हेतु शत प्रतिशत नियुक्ति उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सीधी भर्ती से किया जाना था। साथ ही बीटेक और एमटेक अध्यापकों के लिए 15 वर्षों का अनुभव अनिवार्य है।

इसके विपरीत 9 दिसंबर 2024 को 177 अध्यापकों को विभागाध्यक्ष पद पर प्रोन्नति में इन दोनों नियमों का पूर्ण उल्लंघन बताया जाता है। इसी प्रकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद डी फार्मा कॉलेजों का भौतिक परीक्षण किए जाने पर पाया गया कि 531 कॉलेजों को अनापत्ति प्रमाण पत्र मना किए जाने के बाद भी मान्यता दी गई। ठाकुर ने कहा कि उन्हें दी जानकारी के अनुसार इन दोनों मामलों में मंत्री आशीष पटेल की प्रमुख भूमिका बताई जाती है। उन्होंने पूर्व में इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को शिकायत भेजी थी।

बदला मौसम, उत्तर भारत में शीतलहर

प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी सुबह से चल रहीं बर्फीली हवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के मौसम ने करवट ली हैं। सोमवार को सुबह से कई जिलों में बदली छाई है और दृश्यता भी कम हो गई है। साथ तेज हवाएं चलने ठिठुरन बढ़ गई है। इससे पहले रविवार को जहां बादल छाए रहे तो वहीं सोमवार को प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा हो सकता है। प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही क्षेत्रों में कोहरे का अलर्ट जारी हुआ है।

हवाओं की गति बदलने से पारे में तेजी के साथ गिरावट आएगी। सोमवार की सुबह पूरे प्रदेश में बर्फीली हवाएं महसूस की गईं। कुछ जिलों में धुंध रही तो कहीं पर घना कोहरा छाया रहा। पश्चिमी विक्षोभ के गुजर जाने के बाद प्रदेश में पछुआ हवाएं चलने लगी हैं। इसके नतीजे में यूपी में पूरब से पश्चिम तक पिछले 24 घंटे में रात के पारे में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई।

13 साल बाद मेलबर्न में टेस्ट हारा भारत

ऑस्ट्रेलिया की 184 रन से जीत, सीरीज में 2-1 से बनाई बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में 184 रन से हरा दिया है। जीत के लिए मिले 340 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की दूसरी पारी 155 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम को आज ही लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया तीन सत्र भी नहीं खेल सकी। सिर्फ यशस्वी जायसवाल ही आस्ट्रेलिया की गेंदबाजों का डटकर सामना किया। वे 84 रन बनाकर आउट हुए। मेलबर्न में टीम इंडिया की टेस्ट में यह 13 साल बाद हार है।

इससे पहले भारतीय टीम को 2011 में हार मिली थी। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। अब पांचवां और आखिरी टेस्ट तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। रोहित की कप्तानी में पिछले दो महीने में छह टेस्ट में टीम इंडिया की यह पांचवीं टेस्ट हार है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हार के बाद भारत को एडिलेड में और फिर अब मेलबर्न में हार मिली है। बता दें भारत ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 234 रन पर समेट दिया। बढ़त मिलाकर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 339 रन की हुई थी और भारत को 340 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन टीम इंडिया न तो यह मैच जीत सकी और न ही ड्रॉ करा सकी, जबकि उनके पास सिर्फ एक दिन था। इस हार के साथ ही भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पहुंचने की उम्मीदों को भी झटका लगा है। अब उसे अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। साथ ही सिडनी में जीतना ही होगा। ड्रॉ या हार टीम इंडिया को रेस से बाहर कर देगी।

बुमराह इस साल रहे सबसे कामयाब गेंदबाज

भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने नाथन लियोन को क्लीन बोल्ड करते ही 13वीं बार पारी में पांच विकेट लिए। बुमराह इस साल टेस्ट में सबसे कामयाब गेंदबाज हैं। बुमराह ने इसी टेस्ट में 200 विकेट भी पूरे किए थे। फिलहाल उनके नाम 44 टेस्ट में 203 विकेट हैं। इस दौरान उनकी गेंदबाजी औसत 19.43 की और स्ट्राइक रेट 42.22 का रहा। बुमराह ने इस साल यानी 2024 में 13 टेस्ट में 14.92 की औसत और 30.1 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट झटके। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 2.96 का रहा है। वह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके आसपास भी कोई नहीं है। दूसरे नंबर पर 52 विकेट के साथ इंग्लैंड के गस एटकिंसन हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर 49 विकेट के साथ इंग्लैंड के ही शोएब बशीर हैं। अब तक टेस्ट क्रिकेट में 107 बार ऐसा हुआ है जब एक कैलेंडर साल में किसी गेंदबाज ने 50+ विकेट लिए हों। इनमें बुमराह का औसत सबसे बेहतरीन और स्ट्राइक रेट दूसरा सबसे अच्छा रहा है।

नेता गर्म हीटर में, अन्नदाता खुले आसमान के नीचे कर रहा है संघर्ष

पंजाब बंद का व्यापक असर, अफरा–तफरी का माहौल

राकेश टिकैत ने बुलाई जीरो प्वाइंट पर किसानों की महापंचायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप और हम भले ही सर्द मौसम में रजाई में लिपटे गर्मी का अहसास कर रहे हों। लेकिन भारत का अन्नदाता इस समय सड़कों पर फसलों के न्यूनमत समर्थन मूल्य और दूसरी समस्याओं के दृष्टिगत खुले आसमान के नीचे बैठा है। पंजाब बद का जबर्दस्त रिसपांस मिलने के बाद आज ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर किसानों ने एक बार फिर महापंचायत का ऐलान किया है। और इस महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राकेश टिकैत किसानों को संबोधित भी करेंगे। इस महापंचायत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों किसान अपने ट्रैक्टर ट्राली के साथ जमा होना शुरू हो गये हैं।

फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत अपनी मांगों को लेकर किसान संगठनों के बंद के आह्वान पर आज पंजाब में बंद का व्यापक असर देखेने को मिल रहा है। हालाँकि, आपातकालीन सेवाएँ खुली हैं। बंद में शामिल होने से निजी बस ट्रांसपोर्टरों के अलावा वंदे भारत और शताब्दी सहित 200 से अधिक ट्रेनें प्रभावित हुईं। बंद का आह्वान किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल के समर्थन में किया गया था जो किसानों की मांगों को लागू करने की मांग को लेकर एक महीने से अधिक समय से भूख हड़ताल पर हैं।

अवरुद्ध किए गए कई रोड

एयरपोर्ट रोड की ओर जाने वाली आईएसएसईआर रोड (मोहाली) को किसानों ने अवरुद्ध कर दिया है। किसान नेता ने कहा कि किसान यूनियन नेता शाम 4 बजे तक सड़कों और रेल लाइनों पर चक्का जाम कर रहे हैं। केवल आपातकालीन वाहनों, जैसे एम्बुलेंस, विवाह वाहन, या किसी गंभीर आपात स्थिति वाले व्यक्ति को ही गुजरने की अनुमति दी जाएगी। मोहाली के अलावा पटियाला, लुधियाना, मोगा, फिरोजपुर, बठिंडा, होशियारपुर, जालंधर और अन्य स्थानों से दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद होने की खबरें हैं। बंद का असर ग्रामीण इलाकों में अधिक प्रभावी है, जहां किसानों ने अपने संगठन के झंडे लेकर लगभग सभी सड़कें बंद कर दीं। निजी बस ट्रांसपोर्टरों के हड़ताल में शामिल होने से पंजाब में अधिकांश निजी बसें सड़कों से नदारद रहीं। बंद के आह्वान के मद्देनजर कई स्कूलों और कार्यालयों ने छुट्टी की घोषणा की है।

महिलाएं और बूढ़े भी प्रदर्शन में शामिल

किसान, जिनमें महिलाएं और बूढ़े भी शामिल हैं, सड़कों पर बैठे हुए हैं। कई शहरों में दुकानें बंद हैं। कई शहरों और कस्बों में अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं। इससे दैनिक यात्रियों और कार्यालय जाने वालों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। नौ घंटे का बंद शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा। हालाँकि, किसी भी अप्रिय घटना की कोई रिपोर्ट अभी तक नहीं है। पुलिस ने मोटर चालकों को यात्रा से बचने या अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए लिंक सड़कों का इस्तेमाल करने के लिए कहा है।

जीरो प्वाइंट पर महापंचायत कर आगे बढ़ेंगे किसान

भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि 30 दिसंबर को जीरो पॉइंट पर किसान मजदूर महापंचायत आयोजित होगी। इस महापंचायत को चौधरी राकेश टिकैत सम्बोधित करेंगे। 15 दिसंबर को भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत की अध्यक्षता में सिसौली किसान भवन में पहुंचे सैकड़ों किसानों की बैठक हुई थी। जिसमें यह फैसला लिया गया था कि 30 दिसम्बर को मेरठ मंडल के समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के साथ-साथ यमुना प्राधिकरण से सम्बन्धित जिले आगरा, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, बुलन्दशहर को लेकर महापंचायत आयोजित की जा रही है। इस महापंचायत के आह्वान को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया है ताकि मौके पर व्यवस्था बनाई जा सके और किसी तरीके की कोई दिक्कत ना हो।

द्रविड़वाद और साम्यवाद की दोस्ती हमेशा रहेगी: स्टालिन

तमिलनाडु के सीएम बोले- संबंध चुनावी राजनीति से परे यह वैचारिक मित्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि द्रविड़वाद और साम्यवाद के बीच संबंध चुनावी राजनीति से परे हैं और यह ''वैचारिक मित्रता'' हमेशा बनी रहेगी। स्टालिन ने गठबंधन के फिर से बनने का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा कि दोनों आंदोलनों के बीच ''राजनीतिक मित्रता'' में कभी-कभार अल्पविराम लग सकता है, ''लेकिन वैचारिक दोस्ती हर परिस्थिति में जारी रहेगी।'' सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने स्वतंत्रता सेनानी एवं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के दिग्गज नेता आर नल्लकन्नू के 100वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''यह (मित्रता) जारी रहेगी।

स्टालिन ने कहा कि दिग्गज कम्युनिस्ट नेता सिंगारवेलर ने उस समय पेरियार का समर्थन किया था, जब उन्होंने द्रविड़ कषगम की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि वास्तव में द्रमुक के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने एक बार कहा था कि अगर द्रविड़ कषगम

अस्तित्व में नहीं आता तो वह साम्यवाद के आंदोलन में शामिल हो जाते। उन्होंने रूसी साम्यवादी नेता जोसेफ स्टालिन का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''मेरा नाम भी स्टालिन है।'' स्टालिन ने कहा, ''दोनों आंदोलनों के बीच चुनावी राजनीति से परे वैचारिक मित्रता है। नल्लाकन्नू को उनके 100वें जन्मदिन के अवसर पर दिया जाने वाला सबसे अच्छा उपहार जातिवाद, सांप्रदायिकता, बहुसंख्यकवाद और निरंकुशता के खिलाफ लोकतांत्रिक ताकतों का हाथ मिलाना होगा। स्टालिन ने नल्लकन्नू की प्रशंसा करते हुए स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उनके सामने आई कठिनाइयों को याद किया। उन्होंने कहा कि तमाम यातनाएं सहने के बाद भी नेता कभी नहीं झुके।

नफरत फैलाने का काम करते हैं राणे: आजमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्री नितेश राणे ने फिर से एक विवादित बयान दे दिया है। अब उन्होंने केरल को मिनी पाकिस्तान करार दिया है।

उन्होंने यह कह दिया, केरल मिनी पाकिस्तान है, तभी राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी यहां से जीत कर आते हैं। अब समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने नितेश राणे के ऐसे बयान पर आपत्ति जताई है और कहा है कि वह केवल नफरत फैलाने का काम करते हैं।

मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जमीन की तलाश तेज

किसान घाट व संजय गांधी के समाधि स्थल के पास की जगह पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर लगातार भाजपा जवाब दे रही है। इस बीच अधिकारियों ने पूर्व पीएम के स्मारक को लेकर जगह की तलाश शुरू कर दी है।

पूर्व पीएम के स्मारक स्थल को लेकर कुछ जगहों के नाम सामने आए हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व पीएम का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल और पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के स्मारक किसान घाट के पास बन सकता है। दोनों ही जगह यमुना नदी के किनारे बनी हैं। इसके अलावा चर्चा यह भी है कि पूर्व पीएम का स्मारक संजय गांधी के समाधि स्थल और पूर्व पीएम नरसिम्हाराव की समाधि एकता स्थल के पास भी बनाया जा सकता है। हालांकि इसे लेकर फैसला सरकार को लेना है।

केजरीवाल के दांव से विपक्ष चारों खाने चित!

चुनाव से पहले आप का एक और बड़ा एलान, भाजपा व कांग्रेस बोली- सिर्फ चुनावी वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता को अपने पक्ष में करने व विपक्ष को मात देने के लिए एक और दांव चल दिया है। दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने पुजारी और ग्रंथि सम्मान योजना का एलान किया है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज मैं जो योजना का ऐलान करने जा रहा हूं उस योजना का नाम पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना है। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को हर महीने सम्मान राशी देने का प्रावधान है,उन्हें लगभग 18,000 रुपये प्रति माह सम्मान राशी दिया जाएगा। उधर उनकी इस योजना के बाद से भाजपा व कांग्रेस ने उनपर निशाना साधते हुए कहा कि ये वादे सिर्फ चुनावों के लिए किए जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल कल कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर से इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करेंगे। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा,आम आदमी पार्टी के जीतने पर दिल्ली में मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18,000 प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। ये योजना समाज में उनके आध्यात्मिक योगदान और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने के उनके प्रयासों का सम्मान है। भाजपा वालों इसे रोकने की कोशिश मत करना, बहुत पाप लगेगा।

18,000 रुपये हर माह सैलरी देंगे पुजारियों और ग्रंथियों को

'मेरी पत्नी का नाम मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही भाजपा'

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा उनकी पत्नी का नाम नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में मतदाता सूची से पूर्वांचली मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मुद्दा राज्यसभा में उठाने के लिए भाजपा उन्हें ''सबक'' सिखाने की कोशिश कर रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।